मूल्य - 5 रु.

तारांशु

मासिक

जून - 2019

वर्ष 7, अंक 9, पृ.सं. 20

तृप्ति योजना (मासिक राशन) से लाभान्वित एक आभारी वृद्धा

आनन्द वृद्धाश्रम :

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति"
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था"
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य
200 बच्चे - 15000 रु., 400 बच्चे - 30000 रु., 2000 बच्चे - 150000 रु.

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्री जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुण सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय — पृष्ठ संख्या

आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर 02
अनुक्रमणिका.....03
लेख - 1 : अपना घर.....04
लेख - 2 : संतुष्टि 05
तृप्ति योजना: लाभ से पूर्व एवं लाभ के बाद की स्थिति.....06-11
तारा नेत्रालय / शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर 12
आनन्द वृद्धाश्रम / गौरी योजना.....13
हमारे भामाशाह.....14
न्यूज ब्रीफ.....15
विनम्र अपील / नेत्र शिविर सौजन्य.....16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर 17
धन्यवाद / अभिनन्दन / स्वागत 18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान 19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा
श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में, साथ में संस्थान
सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

अपना घर

हर माह आपसे रुबरु होने का तारांशु एक साहित्यिक माध्यम है, सोशल मीडिया के इस युग में प्रिंटेड पढ़ना भी अब ''कुछ अलग'' हो गया है।

''तारा'' के माध्यम से हम सभी के लिए बहुत–बहुत खुश, एवम् उतने ही संतुष्ट होने के बहुत सारे कारण हैं.....

प्रथम – अपने नवीन वृद्धाश्रम को 22 अप्रैल को एक वर्ष कम्पलीट हो गया है..... और ये वर्ष में करीब 45 लोगों वृद्धजन का आगमन हुआ..... उनमें से तीन वृद्धों का कहना था कि अगर ये जगह नहीं मिली होती तो जिन्दगी को खत्म करने के अलावा कोई उपाय नहीं था और बाकी कुछ लोगों के भोजन–चिकित्सा की समुचित व्यवस्था नहीं थी..... और बाकी कुछ लोगों के दिल तरस रहे थे स्नेह–प्यार के लिए पर मिल रही थी उपेक्षा तिरस्कार।

मुझे लगता है, ये सब सपने के सच होने जैसा है..... कि एक ऐसी जगह बनी हुई है जहाँ कोई भी वृद्ध कभी भी आ सकते है..... बस उन्हें ये पता होने की जरूरत है कि उनका अपना खूबसूरत सा घर है..... जहाँ उन्हीं की उम्र से थोड़े छोटे–बड़े उनके बहुत सारे मित्र भी है, पौष्टिक भोजन आवास–चिकित्सा..... पूर्ण सुविधा सहित.....

मेरा अनुभव यह रहा है कि कुछ समय पश्चात् जब आपके कुछ गहरे दोस्त बन जाते हैं तो पुरानी दुःखद यादें धुंधली होने लगती है और फिर कभी गेस्ट आ रहे..... कोई बर्थडे मना रहा..... गुब्बारे लगे हुए..... चारों ओर..... सब लोग गा रहे..... नाच रहे..... फिर साप्ताहिक ग्रुप डांस..... मन हुआ तो कर लिया..... सिर्फ देखना भी सुखद है।

वृद्धाश्रम के इस पूरे प्रोजेक्ट का अगर सार मुझे कहना हो तो यही कि बुजुर्गों का घर है, सिर्फ उनके लिए है, देश–विदेश के कुछ करुण हृदयी भामाशाहों ने अपनी करुणा को धन में बदल दिया और पूर्णतया निःशुल्क ''घर'' बन गया है..... यकीन करिये सभी जिन्होंने ''घर'' बनवाया है वे अपरिचित हैं इस घर के आवासियों से..... यह एक निःस्वार्थ सम्बन्ध है.....

मैं और दीपेशजी जी–जान लगाकर यह कोशिश करते हैं कि उनके इस अधिकार पर आँच न आए..... उनके सम्मान में कोई कमी न आए..... उनके ''अपने घर'' के विश्वास को ठेस न पहुँचें.....

इस ''बड़े से घर'' को देखने, साथ ही उसे और मजबूत करने और उदयपुर भ्रमण हेतु अवश्य पधारियेगा..... स्वागत है.....

कल्पना गोयल

अपनी गलती तुरन्त स्वीकार करने वाले व्यक्ति सद्गुणी होते हैं।

संतुष्टि

जून, 2011 से तारा संस्थान ने पूर्ण रूपेण कार्य करना प्रारम्भ किया था उसके पहले कुछ कैम्प कुछ लोगों की मदद से करते रहे थे लेकिन वो बहुत थोड़ा सा काम था। तारा नेत्रालय, उदयपुर अक्टूबर, 2011 में प्रारम्भ हुआ और उसके बाद जब ढेर सारे कैम्प होने लगे तो उन कैम्पों में बहुत से बुजुर्ग ऐसे आते थे जिनकी आँख तो तारा ने बचा ली पर उनके जीवन में आधारभूत जरूरतें (रोटी, कपड़ा, मकान) भी पूरी नहीं हो रही थी। इसके समाधान में ही ''आनन्द वृद्धाश्रम'' का जन्म हुआ। कैम्पों में से कुछ बुजुर्ग वृद्धाश्रम में रहने आए भी लेकिन उन्हें शहर रास नहीं आया भले ही लाख सुविधाएँ क्यों न हो। इस प्रश्न के उत्तर में तृप्ति का जन्म हुआ, वे हमारे पास न आएँ तो क्या हम तो उनके पास जा ही सकते हैं, कहते हैं जहाँ चाह वहाँ राह, हम चाहते थे कि ऐसे बुजुर्गों के लिए कुछ करें जो नितांत अकेले हों, असहाय हों, आय का कोई जरिया ना हो तो उन्हें उनके घर पर मासिक राशन देने लगे। 10–20 बुजुर्गों से शुरू हुई ये योजना अभी लगभग 233 बुजुर्गों का पेट भर रही है। इनमें से बहुत थोड़े लोग हैं जिनसे व्यक्तिशः मिलना हुआ लेकिन बहुत सारे बुजुर्गों के वीडियो देखे हैं जो तारा के टी.वी. प्रोग्राम के लिए बनते हैं और ऐसा लगता है कि संतुष्टि का भाव है उन लोगों में। इसलिए ही इस योजना का नाम तृप्ति रखा गया।

हमारे यहाँ शादी एक भव्य आयोजन होता है और जो समर्थ हैं तो अच्छी–से–अच्छी शादी करना चाहते हैं लेकिन अकसर इस तरह के आयोजनों में भोजन की जो दुर्दशा होती है वो कल्पना से परे है, बच्चे पूरी पूरी प्लेट भरकर थोड़ा सा. खाते हैं फिर फेंक देते हैं और नई प्लेट उठा लेते हैं उन्हें नहीं समझ पर जिन्हें समझ है वो तो समझा सकते हैं? इसके अलावा कई बार इतना खाना बच जाता है कि उसे फेंकना पड़ता है चुंकि हम तृप्ति योजना चला रहे हैं इसलिए हमें ज्यादा पता चलता है उस खाने की कीमत। एक तरफ हजारों लोग दो वक्त के पौष्टिक खाने को मोहताज हैं और दूसरी तरफ इतना सारा भोजन व्यर्थ हो रहा है।

यही विडंबना है, चीजें बेहतर हो रही हैं जीवन स्तर भी सुधर रहा है लेकिन वंचित वर्ग अभी भी बहुत बड़ा है। सामर्थ्य है तो शादी अच्छे से करें इसमें कोई गलत नहीं है लेकिन हम सभी अपने बच्चों को ये तो सिखा ही सकते हैं कि भोजन जूठा ना डालें। जोधपुर के इंजीनियरिंग कॉलेज में जब हम पढ़ते थे और हॉस्टल का खाना अच्छा नहीं लगता था तो जैन भोजनशाला में जाते थे हालांकि मैं जैन नहीं था लेकिन अपने जैन मित्रों के साथ चले जाते थे। वहाँ का खाना तो घर जैसा होता ही था लेकिन वहाँ एक वाक्य लिखा होता था ''थाली धोकर पीने से ईश्वर प्राप्त होते हैं'' ऐसी शिक्षा को यदि उतार लिया जाये तो ''तृप्ति' जैसी कोई योजना की आवश्यकता ही ना होवे। उम्मीद करते हैं कि ऐसा कभी न कभी होगा ही कि हमारे देश में भी रोटी–कपड़ा–मकान की जद्दोजहद ना रहे।

इस बार तारांशु में हम लेकर आयें हैं तृप्ति योजना के कुछ लाभार्थियों को जिनकी जिन्दगी में आप बदलाव लेकर आए हैं और ये जानने की कोशिश की है कि ''तृप्ति'' के बिना और ''तृप्ति'' के बाद इनके जीवन में क्या बदलाव आया है। हमें विश्वास है कि आपको देखकर अच्छा लगेगा कि आपका छोटा–छोटा सहयोग अनके जीवन में कितना अहम् किरदार निभा रहा है।

आपकी बूँद–बूँद से भरा घड़ा बहुत से लोगों को तो तृप्त कर रहा है।

आदर सहित...

दीपेश मित्तल

आवरण कथा: **तारा संस्थान की तृप्ति योजनाः लाभ से पूर्व एवं लाभ के बाद की स्थितिः**

तृप्ति योजनाः एक नज़र

तारा संस्थान की अनेक सेवाभावी योजनाओं की कड़ी में से एक है – तृप्ति योजना जिसके अंतर्गत ऐसे बुजुर्गों की सहायता की जाती है जो निर्धन–निर्बल, अकेले व असहाय हो या जिनके परिवार में कोई नहीं हो या उनके लोग उन्हें अकेले छोड़ शहरों में नौकरी–धंधा करने चले गए हों। ऐसे बुजुर्ग जिनकी आय का कोई साधन न हो, ना ही जो इस लायक हो कि कुछ काम–धंधा कर अपना पेट पाल सकें और जिन्हें दो वक्त की रोटी हेतु भी दूसरों का मुँह ताकना पड़ता हो।

संस्थान अपने साधकों द्वारा ऐसे जरूरतमंद लोगों की पहचान कर उन्हें मासिक खाद्य–सामग्री व अन्य आवश्यक चीजें उनके घर–द्वार पर पहुँचाने की व्यवस्था करता है। तारा संस्थान के साधक अथवा क्षेत्र के समाज–सेवियों आदि द्वारा किसी जरूरतमंद व्यक्ति की पहचान कर, उसका फार्म भरवाया जाता है तत्पश्चात् तारा संस्थान द्वारा उनका वेरिफिकेशन किया जाता है उसके बाद पात्रता साबित होने पर व्यक्ति को तृप्ति योजना में शामिल कर दिया जाता है।

सामग्री जो प्रत्येक लाभार्थी को हर माह दी जाती है उसका विवरण इस प्रकार हैः 10 किलो आटा 2 किलो चावल, 2 किलो दाल, 1 किलो तेल, 2 किलो शक्कर और 1 किलो नमक–मिर्ची ऊपर से उन्हें 300 रु. नकद राशि अन्य आवश्यक जरूरतों जैसे हरी सब्जी इत्यादि के लिए दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त बुजुर्गों को कपड़े–लत्ते और कम्बलें भी सप्लाई की जाती हैं तथा क्षमतानुसार उनके झोंपड़ों की मरम्मत भी करवाई जाती है। तारा संस्थान ने साधकों व सेवा–भावी ग्रामीणों को मिलाकर ऐसा तंत्र विकसित किया है जो तृप्ति योजना को सफलता–पूर्वक संचालित करता है। **तारांशु के इस अंक में हम यह जानने की कोशिश करेंगे कि तारा संस्थान की तृप्ति योजना के लाभार्थियों की इस योजना में शामिल होने से पूर्व उनकी स्थिति क्या थी एवं लाभ के पश्चात उनकी परिस्थिति में कोई परिवर्तन आया है अथवा नहीं।**

मासिक राशन व नकदी के साथ तृप्ति योजना से लाभान्वित एक ग्रामीण

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 वर्ष - 18000 रु.	06 माह - 9000 रु.	01 माह - 1500 रु.

विपत्ति आए तो धैर्यपूर्वक सहन करें। सम्पत्ति आए तो क्षमावान बनें।

आवरण कथा : तारा संस्थान की तृप्ति योजनाः लाभ से पूर्व एवं लाभ के बाद की स्थितिः

श्रीमती हेमली बाई

पहले : लगभग 75 वर्षीय हेमली बाई के साथ एक के बाद एक त्रासदियाँ घटीः पहले उनके पति गंभीर बीमारी से चल बसे, फिर बहू की मृत्यु हो गई जिससे पुत्र मेंटल हो गया और उसका काम धंधा सब छूट गया। उधर दो बेटियों में से एक बेटी के पति की अकाल मृत्यु हो गई। समस्याएँ बढ़ती ही चली गईं, पोते–पोती सहीत घर में, 6–7 जनों का खाना खर्चा कैसे जुटाएं। एक बेटी यहाँ आकर रहने लगी और कुछ कमा कर जैसे–तैसे घर चला रही है पुत्र की बीमारी का इलाज बिना पैसे के नहीं हो सकता। जीवन एक जून के खाने से ही बड़ी मुश्किल से चल पा रहा। तब एक तारा की तृप्ति योजना से उन्हें राहत मिली।

बाद में : तृप्ति योजना के राशन से घर के 6–7 सदस्य अब भरपेट खाना तो खा ही सकते हैं। ऊपर से जो नकदी मिलती है वह आड़े वक्त में काम आती है। हेमली बाई तारा संस्थान की अति आभारी है।

श्रीमती नाथी बाई (40 वर्ष)

पहले : नाथी बाई के पति की मृत्यु लगभग दो वर्ष पहले टी.बी. से हो गई। वैसे भी वह किसी काम के नहीं थे। इधर–उधर मजदूरी करके कुछ कमाते तो सारा पैसा शराब में डूबा देते यहाँ तक कि मकान को भी बेचकर खा गए। ऐसी स्थिति में नाथी बाई अपने इकलौते पुत्र के साथ माँ के घर चली आई। यहाँ भी कोई गुजारे की कोई व्यवस्था नहीं। न खेत, न कुआँ न ही कोई काम। जब अचानक पैसे की जरूरत आ पड़े तो उधारी लेनी पड़ती है। इतना उधार चढ़ गया है कि अब तो बच्चा बड़ा होकर ही चुका पाएगा।

बाद में : अब तारा संस्थान की मासिक राशन से स्वयं के साथ माँ–बेटे का भी खाना खर्चा निकल जाता है। इसके अतिरिक्त जो नकदी रु. 300 मिलती है उससे बच्चे की स्कूल का खर्चा निकल जाता है।

श्री धूलाराम जी (70 वर्ष)

पहले : श्री धूलाजी की 2 बेटियाँ ब्याही हैं एवं 2 पुत्र अलग रह कर मजदूरी कर अपने परिवार का गुजारा करते हैं धूला जी के लिए उनके पास समय या पैसा नहीं है। पहले धूला जी खेत मजदूरी कर लेते थे पर अब बुढ़ापा इजाजत नहीं देता तो पत्नी व पति दोनों की स्थिति दयनीय है। कभी खाना मिल जाता है, कभी भूखे ही सोना पड़ता है। कहीं से किसी मदद की आस नहीं थी।

बाद में : अब तारा संस्थान की तृप्ति योजना से धूला जी व पत्नी दो समय का भोजन कर पाते हैं एवं 300 रु. प्रतिमाह नकदी बीमारी आदि में बेहद काम आती है। धूला जी दानदाताओं के आभारी हैं।

आवरण कथा : तारा संस्थान की तृप्ति योजनाः लाभ से पूर्व एवं लाभ के बाद की स्थितिः

श्रीमती धनकी बाई (80 वर्ष)

पहले : अति वृद्ध धनकी बाई के पुत्रों और पति की लम्बे समय पूर्व मृत्यु हो चुकी है। उसका इस दुनिया में कोई नहीं है पुत्रियाँ विवाहित हैं। धनकी बाई अब अपने एक चचेरे पोते के साथ रहती है बीमारी इत्यादि में सार–सम्भाल कर लेता है।

बाद में : तारा से मदद के बाद धनकी बाई संतुष्ट है कि उसका बुढ़ापा जैसे–तैसे ठीक गुजर जाएगा। दानदाताओं को धन्यवाद देते हुए कहती है कि ईश्वर उनका ध्यान रखेगा।

श्रीमती शांति बाई

पहले : शांति बाई के पति 20–25 वर्ष पहले छोड़कर संन्यासी हो गए थे। तब घर से शांति बाई अपनी पुत्री के साथ पीहर में रह रही है। माता–पिता भी 5–7 साल पहले गुज़र गए पर शांति बाई ने हिम्मत सिंह हारी और मजदूरी करके जैसे–तैसे अपनी पुत्री को स्कूल की पढ़ाई पूरी करवाई। अब उनकी बेटी को गाँव में ही एक प्राइवेट स्कूल में नौकरी मिल गई है पर चूंकि बेटी की शादी करवानी है तो वह मजदूरी करके पैसे जोड़ने की कोशिश कर रही है पर अब शरीर जवाब दे गया है और आँखों से ठीक दिखता भी नहीं है।

बाद में : चूंकि अब शांति बाई मजदूरी भी नहीं कर सकती है तो घर चलाने के लिए राशन व 300 रु. केश से बहुत मदद है। शांति बाई हाथ जोड़ कर दानदाताओं का आभार जतांती है और कहती है कि हमें खिला रहे हो तो माता–पिता तुल्य हो। भगवान उनका भला करें।

श्री मांगीलाल जी (62 वर्ष)

पहले : मांगीलाल जी मजदूरी कर अपना 2 बच्चों का पेट पालने हेतु संघर्षशील है। पत्नी की बीमारी से मृत्यु हो चुकी है एक बेटी आँख की बीमारी से ग्रस्त है पैसों के अभाव की वजह से छोटे लड़के को पढ़ने नहीं भेज सकते हैं। कई बार नियमित मजदूरी नहीं मिलने पर स्वयं भूखे रहकर बच्चों को खिलाते हैं। ऊपर से उनके कच्चा झोपड़ा है जिसमें बारिश में पानी भर जाता है एक सूखे कोने में सब लोग बड़ी मुश्किल से सो पाते हैं।

बाद में : तारा संस्थान से प्राप्त राशन से अब परिवार के तीनों सदस्य दो समय का खाना तो खा ही सकते हैं। रु 300 नकद बीमारी में काम आते हैं। तारा की तृप्ति योजना से बड़ी राहत मिली है।

आवरण कथा : तारा संस्थान की तृप्ति योजनाः लाभ से पूर्व एवं लाभ के बाद की स्थितिः

पहले **बाद में**

श्री भेरूलाल जी (68 वर्ष)
इनके परिवार में कोई नहीं है। यह निःसंतान है। इनकी पत्नी की मृत्यु के पश्चात् ये अकेले हो गए। इस उम्र में इनसे कोई कार्य नहीं होता है। एक कच्चे मकान में ये अपना जीवनयापन करते हैं। इनकी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है।

बुढ़ापे में एकल व्यक्ति और कोई सहारा न होने के कारण तारा की तृप्ति योजना से अब जीवित रह रहे हैं।

श्रीमती नवली बाई (62 वर्ष)
यह एक विधवा महिला है। इनके कोई संतान नहीं है। यह एक कच्चे मकान में अपना जीवनयापन करती है। इनके पति की मृत्यु के पश्चात् इनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है।

वृद्ध एकल महिला को कोई खाना तो खिला रहा है अब। तारा को धन्यवाद देती है नवली बाई।

श्रीमती अन्दर कुँवर (62 वर्ष)
इनके पति की मृत्यु के पश्चात् ये अकेली हैं इनके कोई पुत्र नहीं है। इनके तीन 3 पुत्रियाँ हैं जो विवाहित हैं और वो ससुराल में रहती हैं। इनकी देखरेख करने वाला कोई नहीं है। ये कच्चे मकान में रहती हैं।

अब संतुष्ट है कि भूख के मारे तो मृत्यु नहीं होगी।

श्रीमती भूरी बाई (72 वर्ष)
इनके चार पुत्र है पर चारों बाहर रहते हैं इनका ध्यान नहीं रखते हैं। इनके पति की मृत्यु के पश्चात ये अकेले हो गये हैं इनकी देखभाल करने वाला कोई भी नहीं है। किसी भी प्रकार से कोई मदद नहीं है जिससे वह अपने परिवार का गुजारा चला सके।

चार पुत्र होते हुए भी खाने के लाले पड़ते थे अब न सिर्फ राशन बल्कि नकदी भी मिलती है जो आड़े वक्त काम आती है।

श्री मोटा जी गमेती (79 वर्ष)
ये परिवार में अकेले रहते हैं और हाथ से विकलांग हैं। इनसे कोई कार्य नहीं होता है। इनके चार पुत्र हैं परन्तु वो अपने पिता जी का ध्यान नहीं रखते हैं। पहाड़ी इलाकों में रहते हैं जहाँ पर इनकी फसले भी नहीं होती हैं। ये एक कच्चे मकान में रहते हैं।

पहले तो कई–कई रात को भूखे सोना पड़ता था अब खाने की कोई चिंता नहीं रही।

आवरण कथा : तारा संस्थान की तृप्ति योजना: लाभ से पूर्व एवं लाभ के बाद की स्थिति:

पहले **बाद में**

श्रीमती केसरी बाई (32 वर्ष)

ये दोनों हाथो से विकलांग है और कार्य नहीं कर सकती है। ये मंद बुद्धि हैं इनके पिता का स्वर्गवास हो गया है अब ये अपने परिवार में अकेली रहती हैं। इनको खाना भी पड़ोसी बनाकर खिलाते है। यह एक कच्चे मकान में जीवनयापन करती है।

ऐसी दयनीय महिला को बड़ी राहत मिली है अब पड़ोसियों पर निर्भरता कम हुई है।

श्रीमती पार्वती बाई (70 वर्ष)

इनके पति की मृत्यु होने के बाद ये अकेले हो गए हैं। इनके पुत्र नहीं हैं 5 पुत्रियां हैं जिनकी शादियां हो गई हैं। इनकी देखरेख करने वाला कोई नही है। इस उम्र में इनसे कोई कार्य नहीं होता है।

अधिक उम्र में कार्य नहीं कर सकती तो अब रोटी की व्यवस्था तो हो ही गई है।

श्रीमती हुलास देवी (70 वर्ष)

इनके पति का स्वर्गवास 2 वर्ष पहले हो चुका है। घर पर ही रहती हैं कोई कार्य नहीं करती हैं। खेती की जमीन स्वयं की नहीं है। लड़के 3 हैं लेकिन ध्यान नहीं रखते हैं। मकान में स्वयं अकेली रहती हैं।

3 लड़के होकर भी खाना नहीं मिलता था। तृप्ति योजना से राहत मिली है।

श्री नारायण जी मेघवाल (62 वर्ष)

इनके परिवार में ये अकेले हैं इनकी पत्नी की मृत्यु हो गई है। इनके कोई संतान नहीं है। कच्चे मकान में रहते हैं पर इनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। इनके पास कमाई करने का जरिया नहीं है।

बुढ़ापे में राशन की व्यवस्था से यह व्यक्ति खुश है।

श्रीमती धनु बाई (62 वर्ष)

इनके एक पुत्री है जो विवाहित होकर उसके ससुराल में रहती है। इनके पति की मृत्यु के बाद इनकी सेवा करने वाला कोई नहीं है। ये अपने केलु पोश मकान में जीवन यापन करती हैं, आय का कोई स्रोत नहीं है।

तृप्ति योजना के राशन मिलने से धनु बाई अति प्रसन्न है खाने–पीने की चिंता नहीं रहती है अब।

आवरण कथा : तारा संस्थान की तृप्ति योजनाः लाभ से पूर्व एवं लाभ के बाद की स्थितिः

पहले **बाद में**

श्रीमती नाथ कुँवर (70 वर्ष)
इनके पति की मृत्यु 5 वर्ष पहले हो गई। इनकी देखरेख करने वाला कोई नहीं है। इनके कोई संतान नहीं है। आय भी कोई स्रोत नहीं। ये कच्चे मकान में रहते हैं। इनकी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है।

नाथ कुँवर कहती है कि बुढ़ापे में किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़ता है। तारा संस्थान को धन्यवाद।

श्री घीसा जी गमेती (62 वर्ष)
ये दोनों हाथों से विकलांग हैं। इनके तीन पुत्र हैं परन्तु कमाने का कोई साधन नहीं है जिससे की अपने परिवार का गुजारा चला सकें। कच्चे मकान में रहते हैं।

वृद्ध व ऊपर से विकलांग पर अब चिंता नहीं क्योंकि तारा के लोग राशन घर ही दे जाते हैं।

श्रीमती पदमा खत्री (68 वर्ष)
इनके पति की मृत्यु हो गयी व इनके एक 40 वर्ष का लड़का था उसकी भी मृत्यु हो गई अब ये अकेले हो गयें। इनकी देखरेख करने वाला कोई नहीं है।

तारा संस्थान की वजह से जिन्दा है ऐसा कहती है वे।

श्रीमती विमला देवी (50 वर्ष)
इनके पति की मृत्यु के चार वर्ष बाद इनका एक बेटा मानसिक रोगी हो गया। और दूसरा बेटा मजदूरी करता है। पर उससे घर का गुजारा नहीं चलता है। यह अधिकतर बीमार रहते हैं।

अब माँ–बेटे दोनों का गुजारा आराम से हो जाता है।

श्रीमती सूर्या कुंवर (70 वर्ष)
इनके पति की मृत्यु 12 वर्ष पूर्व हो गई। इनके कोई औलाद नहीं है। इनकी सहायता करने वाला कोई नहीं है। इनके कोई कमाने वाला नहीं है। इस उम्र में इनसे कोई काम नहीं होता है।

सूर्या कुँवर कहती है कि अगर तारा से राशन नहीं मिलता तो अब तक भूख से मर गई होती।

तारा नेत्रालय :

तारा नेत्रालय, उदयपुर में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन के पश्चात् कुछ ग्रामीण महिलाएँ वार्ड से छुट्टी को तैयारी में

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)				
17 ऑपरेशन	09 ऑपरेशन	06 ऑपरेशन	03 ऑपरेशन	01 ऑपरेशन
51000 रु.	27000 रु.	18000 रु.	9000 रु.	3000 रु.

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर :

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर का नवीनतम शिक्षण सत्र 2019-20 जुलाई 2019 से

जिसके पास धैर्य है, वह जो कुछ इच्छा करता है, प्राप्त कर सकता है।

आनन्द वृद्धाश्रम :

नए आवासी : श्री विजय कुमार भदानी

60 वर्षीय श्री विजय कुमार भदानी, पटना (बिहार) में ज्वेलरी का व्यवसाय करते थे। इनके एक लड़का एवं एक लड़की हैं लड़की की शादी हो चुकी है एवं लड़का खुद का बिजनेस करता है। विजय जी के घर में अकसर झगड़ा होता रहता था। बेटी–बेटा, भाई–बहन किसी से बात नहीं होती है क्योंकि इन्होंने अपने एक भाई (जिसकी मृत्यु हो चुकी है) की आर्थिक रूप से मदद की थी अब इन स्वयं की माली हालत खस्ता हो गई थी, परेशान होकर विजय जी एक दिन बिना किसी को बताए घर से चुपचाप निकल गए और लगभग 3 महीने पहले आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर आ गए जिसके बारे में उन्हें – टी.वी. के माध्यम से पूर्व जानकारी थी। वह अपना मोबाइल घर ही छोड़ आए थे ताकि कोई सम्पर्क न कर सके। फिर लगभग डेढ़ महीने बाद घर वालों को सूचित किया तो वे बुलाने लगे पर विजय जी अंशाति के माहौल में पुनः नहीं रहना चाहते हैं। विजय कुमार जी आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश लेकर अति प्रसन्न हैं एवं कहते हैं कि उनका स्वास्थ्य भी यहाँ आकर सुधर गया है क्योंकि यहाँ किसी भी प्रकार का टेंशन नहीं है।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मित्ति 3500 रु. (एक समय)
01 वर्ष	06 माह	01 माह	
60000 रु.	30000 रु.	5000 रु.	

गौरी योजना :

मासिक पेंशन से घर चलाने में काफी सहायता हुई है : श्रीमती ललिता जी

3 छोटे – छोटे बच्चों की माँ ललिता जी 4–5 साल पहले विधवा हो गई। पति एक्सिडेंट से एक हाथ से विकलांग थे तो कोई ज्यादा काम नहीं कर पाते थे सो मृत्यु के पश्चात् कोई पूंजी नहीं छोड़ गए। ललिता अकेली को स्वयं ही तीन बच्चों का सारा खर्चा उठाना पड़ता है खाना–पीना, कपड़े–लत्ते, स्कूल आदि का खर्चा। वह बंगलों में काम करके बच्चों की परवरिश कर रही हैं। कहती है मेरी तो जिन्दगी खराब हो गई मगर बच्चों की बचाने हेतु उन्हें तो पढ़ाना ही पड़ेंगा। आगे बच्चे जब बड़ी क्लास में जायेंगे तो खर्चा और बढ़ेगा, यह सोचकर भी ललिता चिंतित है। फिर भी तारा संस्थान को धन्यवाद देती है कि उनकी रु. 1000/– की मासिक पेंशन से भी घर चलाने में काफी सहायता हुई है।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)		
01 वर्ष - 12000 रु.	06 माह - 6000 रु.	01 माह - 1000 रु.

पिछले पृष्ठों में आपने जिन लाभार्थियों की कहानियाँ पढ़ी वह सब संभव हो सका, हमारे निम्न जैसे अनेक दानवीरों के सहयोग से :

अहमदाबाद के भामाशाह श्री महावीर प्रसाद साहेवाल

माह मई, 2019 में अहमदाबाद के उद्यमी (फर्म – वीरू टैक्सटाईल मिल्स प्रा. लि., अहमदाबाद) व समाज सेवी श्री महावीर प्रसाद साहेवाल जी ने इस माह एक वृद्धाश्रम आवासी को वर्षभर भरण पोषण की जिम्मेदारी लेते हुए सहयोग राशि प्रदान की है। आपका परिचय हमारे अन्य दानदाताओं से भी होवे इसी उद्देश्य से इस माह तारांशु दानदाता पेज पर आपका चयन किया है। आपके तीन पुत्र क्रमशः श्री संतोष, श्री सुरेश, श्री नरेश साहेवाल सहित आप चार से पाँच बार संस्थान पधार कर अपनी सेवा समय–समय दी है। आप आनन्द वृद्धाश्रम के उद्घाटन में पधारे व आपने एक कक्ष का निर्माण भी इस भवन में करवाया है। आज के समय में आप अपना व्यवसाय व निवास अपने तीनों पुत्रों के साथ करते हैं। ये आपके सरल स्वभाव का प्रतीक है। आपने अपना 75वें जन्म दिवस तीनों पुत्रों, तीनों पुत्रवधुओं तथा पौत्र–पौत्रियों के साथ तारा संस्थान में यहीं मनाया। तत्पश्चात् उन्होंने वृद्धाश्रम वासियों हेतु भोजन सौजन्य किया। आपका साथ, आशीर्वाद व मार्गदर्शन संस्थान को मिलता रहे इसी आशा व मनोकामना के साथ...।

सुश्री बीना जी मिस्त्री निवासी देवास (म.प्र.)

सुश्री बीना जी मिस्त्री पिछले 12 वर्षों से नारायण सेवा संस्थान से जुड़ी हुई थी फिर सन् 2014 में तारा संस्थान से सम्पर्क हुआ। बीना जी प्रोफेसर के पद से वी. आर.एस. है। सेवाभावी बीना जी अपने माता–पिता की स्मृति में विभिन्न संस्थाओं को दान सहयोग करती हैं। उनका कहना है कि खुद के लिए जीना भी कोई जीना है, औरों के लिए जीना ही असली जीवन है।

श्री शम्भु सिंह सोलंकी निवासी कोटा (राज.)

श्री शम्भु सिंह सोलंकी कोटा (राज.) के रहने वाले हैं इनकी उम्र 45 वर्ष है और संस्थान से 4–5 वर्ष से जुड़े हुए हैं। आप की राज मेडिकल एवं जनरल स्टोर के नाम से बोरखेडा कोटा में दुकान है, अपने जीवन काल मे काफी सरल और मृदुभाषी रहे हैं। तारा संस्थान से जब से वो जुड़े हैं तब से ओर भी कई लोगों से वो तारा संस्थान के लिए बात कर उनको संस्थान से जोड़ते हैं और संस्थान को भी समय–समय पर दिशा निर्देश देते रहते है। इनकी पत्नी श्रीमती सीमा जी एक ग्रहिणी है। इनके परिवार में एक पुत्र श्री राजवीर सिंह सोलंकी है, आपकी माताजी श्रीमती रमा जी सोलंकी पत्नी स्व. श्री मोहन सिंह जी सोलंकी है वो भी काफी दानवीर स्वभाव के रहे हैं।

मस्ती की पाठशाला :

झुग्गी झोपड़ी के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 12000 प्रति वर्ष

रचना

बेटा बेटी एक बराबर
बड़ा न कोई छोटा है।

इन दोनों मे फर्क जो समझे
वो नीयत का खोटा है।।

नीयत के खोटो को
गुरूवर मिलता है सम्मान नहीं।

दुनिया वालों हमें बताओ
बेटी क्या सन्तान नहीं।।

– रुमा बिरला, गुरुग्राम

क्रोध से सब काम वैसे नहीं बनते, जैसे शांति से बनते है।

न्यूज ब्रीफ :

चंडीगढ़ में तारा संस्थान द्वारा आयोजित भामाशाह स्नेह मिलन।

नवजीवन फिजियाथेरेपी क्लिनिक, उदयपुर ने आनन्द वृद्धाश्रम वासियों के लाभ हेतु एक मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में भारत विकास परिषद भामाशाह के सदस्यों ने मदर्स–डे के उपलक्ष्य में 25 माताओं का अभिनन्दन किया व उन्हें उपहार देकर भोजन करवाया। इस अवसर पर नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के संस्थापक श्री (डॉ.) कैलाश मानव भी उपस्थित थे।

जयपुर में तारा संस्थान द्वारा आयोजित स्नेह मिलन।

तारा संस्थान द्वारा इंदौर में आयोजित दानदाता स्नेह मिलन

रायगढ़ (महा.) से श्रीमती बीना सोगावर अपनी बहन और मित्र के साथ तारा संस्थान के दौरे पर आई और सारे कार्य देख कर काफी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वह 2012 से तारा से जुड़ी हुई है एवं भविष्य में भी यशावत सहयोग करेंगी। नीचे फोटो में बीना जी खड़े हुए (दाएं से तीसरे क्रम में):

तारा संस्थान के दानदाता बागपत (उ.प्र.) से श्री नरेन्द्र जैन, दिल्ली से श्री अशोक जैन व श्री मनीष जैन अपने परिवार के सदस्यों के साथ संस्थान के दौरे पर आए एवं यहाँ की मानव कल्याणकारी योजनाओं का अवलोकन कर भूरि–भूरि प्रशंषा की। नीचे मित्र में मेहमान लोग संस्थान अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल (सबसे दाएँ) के साथ।

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

Auto Kerato Refractometer
ऑटो केराटो रिफ्रैक्ट्रोमीटर

मरीजों के चश्मे के व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।

कीमत रु. **4,20,000/-** (चार लाख बीस हजार रुपये)

A-Scan ए-स्केन

इस मशीन के द्वारा मोतियाबिन्द के मरीजों की आँख के प्रत्यारोपित किये जाने वाले लैंस का पॉवर/नम्बर निकाला जाता है।

कीमत रु. **2,00,000/-** (दो लाख रुपए)

नेत्र शिविर सौजन्य
मोतियाबिन्द
जाँच-चयन-शिविर
आयोजन एवं 30 ऑपरेशन
सहयोग सौजन्य,
प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच -
चश्मा वितरण -
दवाई सहयोग राशि,
प्रतिशिविर - 21000 रु.

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद/उपलक्ष्य में/स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश/चैक/डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर/ ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई-मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान - सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

नेत्रालय मासिक अपडेट्स :

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह मई – 2019 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्री राजेन्द्र कुमार जी जैन – जयपुर (राज.), श्री भुपेन्द्र जी पाटीदार – इन्दौर (म.प्र.), पारस मिनरल्स इण्डस्ट्रीस – डूंगरपुर (राज.)

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

वर्धमान प्लाजा – दिल्ली, श्रीमती सुषमा – श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, श्री प्रेम चन्द जी गोयल – दिल्ली गोल्डन स्टार फाउण्डेशन मीरा भायन्दर, अखिल भारतीय मानव अधिकार सेघ (ऐहरा ग्रुप), श्री भायन्दर कपोल मंडल – गीता नगर, भायन्दर (मुम्बई), श्रीमती ज्योति जी पति श्री अमित जी, लुधियाना (पंजाब)

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद (उ.प्र.)

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 7 शिविर (देशभर में)

Thanks :

NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Mr. Vijay Kumar Jain
Gwalior (MP)

Mr. Sundarlal Kanodia
Hyderabad

Lt. Mrs. Kanchan Ben
Udaipur

Arjun
Chandigarh

Nitiksha
Chandigarh

Lt. Mr. Ram Avtar Agarwal
Delhi

Mr. Subhash Goyal
Ghaziabad (UP)

Mr. Gyanesh Kumar - Mrs. Kanchan Verma
Bharatpur (Raj.)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्री ध्रुव नारायण - श्रीमती प्रभावती गुप्ता
कोलकाता

श्री प्रेम जोशी
जालाना (महा.)

श्रीमती उषा नांदेड़कर (बाएँ)
भोपाल (म.प्र.)

श्रीमती मोनिका जैन एवं परिवार
उदयपुर

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्री कृष्णालाल जी
मोहाली (पंजाब)

गुप्ता परिवार
लुधियाना

पण्डित रतनपाल जी - श्रीमती निर्मल कांता
कठुआ (जम्मू एवं कश्मीर)

श्रीमती एवं श्री गुरमीत सिंह सैनी
चण्डीगढ़

श्री दौलत राम शर्मा
कठुआ

श्री राम निवास गुप्ता
हरियाणा

महिलाएँ दुर्गा स्तुति मण्डल
सेक्टर 20-बी, चण्डीगढ़

कानपुर (उत्तर प्रदेश)

श्री अनुराग जैन - श्रीमती अलका जैन
कानपुर (उत्तर प्रदेश)

श्री मुकेश दुबे
चण्डीगढ़

श्रीमती साधना जैन
कानपुर

श्री एस.बी. गुप्ता
कानपुर

श्रीमती पुनम - श्रीमती सुनीता रानी वधावन
कानपुर

पंडित सुभाष जी
हीरानगर, कठुआ

श्री हरगोविन्द विश्नोई
लखनऊ

श्रीमती सुधा गोयल
लखनऊ

श्रीमती शक्ति हंडा
गुड़गाँव

जिसे जीत लिए जाने का भय होता है उसकी हार निश्चित होती है।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Amit Sharma Area Delhi Cell : 07821855747	**Gopal Gadri** Area Delhi Cell : 07821855741	**Sanjay Choubisa** Area Delhi Cell : 07821055717	**Rameshwar Jat** Area Gurgaon, Faridabad Cell : 07821855758	**Kamal Didawania** Area Chandigarh (HR) Cell : 07821855756
Ramesh Yogi Area Lucknow (UP) Cell : 07821855739	**Narayan Sharma** Area Hyderabad Cell : 07821855746	**Vikas Chaurasia** Area Jaipur (Raj.) Cell : 09983560006	**Santosh Sharma** Area Chennai Cell : 07821855751	**Prakash Acharya** Area Surat (Guj.) Cell : 07821855726
Kailash Prajapati Area Mumbai Cell : 07821855738	**Deepak Purbia** Area Punjab Cell : 07821055718	**Pavan Kumar Sharma** Area Bikaner & Nagpur Cell : 07821855740	**Mukesh Gadri** Area Noida, Ghaziabad Cell : 07821855750	**Krishna Gopal Yadav** Area Jodhpur, Kanpur Cell : 07412051606

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri S.N. Sharma **Mumbai** Cell : 09869686830	Shri Prem Sagar Gupta **Mumbai** Cell : 09323101733	Shri Bajrang Ji Bansal **Kharsia (C.G.)** Cell : 09329817446
Shri Dinesh Taneja **Bareilly (U.P.)** Cell : 09412287735	Shri Anil Vishvnath Godbole **Ujjain (M.P.)** Cell : 09424506021	Shri Vishnu Sharan Saxena **Bhopal (M.P.)** Cell : 09425050136 08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101
Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban).... A/c No. 004501021965 ..... IFSC Code : icic0000045
State Bank of India..... A/c No. 31840870750 ..... IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank ..... A/c No. 1166104000009645... IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank..... A/c No. 912010025408491 .... IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank ..... A/c No. 12731450000426 ..... IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank..... A/c No. 0169101056462..... IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India.... A/c No. 3309973967..... IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank... A/c No. 8743000100004834... IFSC Code : punb0874300
Yes Bank..... A/c No. 065194600000284 .... IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Udaipur

236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)
313002, Mob. No. +91 9649399993

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post, Meera Road,
Thane - 401107 (Maharashtra),
Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.),
N.H. - 2, Block - D, N.I.T.,
Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur

#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad

25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad -
211022 (U.P.), Ph. No. (0532) 2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad

866, Sec - 15A, Faridabad - 121007 (Haryana)
Mob. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL - Udaipur

H.O. Bypass Road, Gokul Village, Sector - 9,
Udaipur - 313002 (Raj.), Mob. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, जून - 2019
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	मित्ति
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	3500 रु.
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	(एक समय)

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India A/c No. 31840870750	IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : UTIB0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : CBIN0283505
Punjab Nationa Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : PUNB0874300
Yes Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : YESB0000651

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का
कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

पारस
'पारस'
रात्रि 8:20
से 8:40 बजे

आस्था भजन
'आस्था भजन'
प्रातः 8:40 से
9:00 बजे

बुक पोस्ट

Tara
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org